हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
16 जून 2025, बरेली

चांद तारे तो लाना है मुश्किल बड़ा...

काव्य संध्या

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को हिंदी काव्य संध्या साहित्य सरिता का आयोजन हुआ। नवोदित कवियों ने रिद्धिमा के मंच से अपने गीतों और मुक्तकों के माध्यम से कविता के सभी रंगों की बरसात की। कवियों ने मंच से प्रेम, देशप्रेम, माता-पिता के त्याग, बेटी, सामाजिक सद्भाव, भ्रष्टाचार को केंद्रित कर कविता पाठ किया।

कार्यक्रम का आरंभ प्रयागराज के कवि ज्ञानेंद्र शर्मा प्रवागी ने परिवार में पिता की भूमिका को अपनी कविता में रेखांकित कर किया। बोले- दुख का मंजर इधर आया, हर समंदर इधर आया। तब पिता ने कहा मैं हूं खड़ा, जब एक खंजर इधर आया। भोजीपुरा के युवा कवि शक्ति सिंह ने चांद तारे तो लाना है मुश्किल बड़ा, मांग का तेरी सिंदूर बन जाऊंगा। मुक्तक से अपना कविता पाठ आरंभ किया। युवा कवियत्री उन्नति राधा शर्मा ने अपने कविता पाठ में इश्क को ईश्वर की इबादत बताया। बदायूं के युवा कवि विवेक मिश्रा ने अपने कविता में कन्या भ्रूण हत्या का जिक्र किया। बदायूं के ही युवा कवि शतवदन शंखधार ने अपनी कविता के माध्यम से श्रोताओं को देशभक्ति के रस से ओतप्रोत किया। कवियत्री स्नेह सिंह ने इबादत करके तो देखो, ईश्वर का आभास होता है। खुदा कहीं और नहीं मिलता, वो स्वयं में विश्वास होता है, मुक्तक से कविता पाठ आरंभ किया। कवि विश्वजीत सिंह निर्भय ने सनातन पर अपनी कविता पढ़ी। कार्यक्रम का संचालन डा. अनुज कुमार ने किया

एसआरएमएस रिद्धिमा में साहित्य सरिता कार्यक्रम में काव्य पाठ करते कवि ।